

put over it. Therefore, from that point of view also we will have to heavily subsidise if we try to export. So, there is no chance of export. Our requirements are also much higher than our production.

SHRI THIRUMALA RAO : Is it not a fact that while units like DCM are able to produce and sell their products to Congress Governments, a public sector project is not able to sell its stock to Congress Governments? What is the snag here? Why is it that the private sector is able to command a better market than our own institutions? Will the Minister explain why it is so?

SHRI P. C. SETHI : As far as the cost of superphosphate of Hindustan Zinc is concerned, we are able to produce it cheaper than private sector parties. It is true that we were depending on their supplies to give to Madhya Pradesh 25,000 tonnes and Rajasthan 10,000 tonnes. We are trying in the other States also but they could not materialise. Our selling price is comparatively much cheaper than the selling price of the private sector parties. But I would admit that the sales organisation of Hindustan Zinc has not yet picked up and there is scope for improving the sales organisation.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

नायलोन तथा स्टेनलेस स्टील का आयात

*695. श्री रामबतार शास्त्री : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नायलोन तथा स्टेनलेस स्टील की वस्तुओं के आयात पर या तो प्रतिबंध है या उनके आयात पर अत्यधिक आयात शुल्क तथा अन्य कर लगाये गये हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन वस्तुओं के निर्माण के लिये बहुत से भारतीय उद्योगपतियों ने नेपाल में कारखाने स्थापित किये हैं ; और यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है ;

(ग) क्या भारत-नेपाल सीमा पर निर्वाध व्यापार की सुविधा का लाभ उठा कर इन उद्योगपतियों ने ये वस्तुएं भारत को भेज कर सरकार के लिये कठिनाइयां पैदा कर दी हैं ; और

(घ) क्या इससे भारत में उद्योग पतियों में असंतोष पैदा हो गया है ; और यदि हां, तो इस मामले में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरैशी) :

(क) से (घ) : भारत में नायलोन के आयात पर 23.94 रु० प्रति कि०ग्रा० से लेकर 52.05 प्रति कि०ग्रा० के मध्य सीमा-शुल्क लिया जाता है। स्टेनलेस स्टील की चादरों पर सीमा-शुल्क 100 प्रतिशत है। इन दोनों मदों का आयात भारत के राज्य व्यापार निगम के माध्यम से किया जाता है।

2. उपलब्ध जानकारी के अनुसार नेपाल में स्टेनलेस स्टील के वर्तन बनाने वाले 5 कारखाने हैं। इन सभी कारखानों के मालिक नेपाली राष्ट्रिक हैं। संश्लिष्ट कपड़ा बनाने वाले कारखानों की संख्या 4 बताई जाती है। इनमें से दो भारतीय राष्ट्रिकों के हैं।

3. सरकार को शिकायतें मिली हैं कि कुछ वस्तुओं का, जो नेपाली कच्चे माल पर आघारित नहीं होती, भारत में शुल्क रहित आयात इन वस्तुओं के स्वदेशी निर्माताओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। मामले पर ध्यान दिया जा रहा है।

INQUIRY COMMISSION ON BIRLA GROUP OF INDUSTRIES

*698. SHRI UMANATH:
SHRI KAMESHWAR SHINGH:
SHRI A. SREEDHARAN:
SHRI P. GOPALAN: